भारत की राष्ट्रपति का भारतीय राजस्व सेवा (सी एंड आईटी), भारतीय स वल लेखा सेवा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा, भारतीय रेल लेखा सेवा और भारतीय डाक और दूरसंचार (वत्त और लेखा) सेवा के परिवीक्षाधीन अ धकारियों से मुलाकात के अवसर पर संबोधन

राष्ट्रपति भवन : 03.02.2023

आज युवा स वल सेवकों से मलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। आप सभी को सरकार के राजस्व प्रशासन और वत्तीय प्रबंधन प्रणाली में एक प्रमुख भू मका निभानी है। आप सभी ने इन प्रतिष्ठित सेवाओं में आने के लए कड़ी मेहनत की है। मैं आपको इस उपलब्धि के लए बधाई देती हूं।

जैसे-जैसे हमारी शासन प्रणाली अ धक कुशल,जवाबदेह और पारदर्शी प्रशासन और निर्बाध सेवा प्रदान करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है,राजस्व सेवा और व भन्न लेखा सेवाओं को पहले की अपेक्षा बहुत बड़ी भू मका निभानी होगी।

प्रय युवा अ धकारियों,

दो दिन पहले, केंद्रीय बजट 2023-24 पेश कया गया था जिसमें आने वाले वत्तीय वर्ष के लए सरकार के वत्त का अनुमानित लेखा-जोखा दिया गया। अपने बजट का उद्देश्य नागरिक - वशेष रूप से युवाओं के लए वकास के अवसर पैदा करना, समावेशी वकास करना और कई अन्य राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राप्त करना है। आप सभी को अपनी-अपनी सेवाओं में लेखांकन, लेखा परीक्षा और बजट-निर्माण के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा क करदाताओं के धन का एक-एक रुपया देश के वकास और लोगों की भलाई के लए उपयोग कया जाए।

भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के प्रय अ धकारियों,

सरकार के अप्रत्यक्ष करों के संग्रह और प्रशासन के लए जिम्मेदार अ धकारियों के रूप में आपका काम चुनौतीपूर्ण है। हाल के वर्षों में, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के रूप में एक परिवर्तनकारी उपाय लागू हो जाने से भारतीय अप्रत्यक्ष कर प्रशासन को नया स्वरूप मला है। यह हमारी अर्थव्यवस्था के लए अच्छी खबर है क भारत ने जनवरी 2023 में अपना दूसरा उच्चतम जीएसटी संग्रह लगभग एक लाख छप्पन हजार करोड़ रुपये अर्जित कया। कर अनुपालन सुनिश्चित करने में उनकी भू मका महत्वपूर्ण है क्यों क इससे आ र्थक वकास और समावेशी वकास में महत्वपूर्ण योगदान मलेगा। आईआरएस सीमा शुल्क अ धकारी देश के 'इकोनो मक फ्रंटियर' के संरक्षक के रूप में भी कार्य करते हैं और नशीले पदार्थों के नियंत्रण, मनी लॉन्ड्रिंग और देश के कर चोरी से जुड़े मुद्दों से निपटने में मुख्य भू मका निभाते हैं।

आपको स्मरण रखना चाहिए क कराधान केवल सरकारी राजस्व बढ़ाने के लए नहीं है; यह आ र्थक और सामाजिक वकास के लए भी बहुत महत्वपूर्ण है। यहां मैं सीमा शुल्क अ धनियम, 1962 के 60 साल पूरे होने का जिक्र करना चाहूंगी। आपकी ऐतिहा सक वरासत आपको सुखद और उज्ज्वल भ वष्य बनाने के लए और मजबूती प्रदान करती है।

प्रशासकों के रूप में आपकी भू मका के लए आवश्यक है क आप ऐसी प्रणा लयाँ और प्र क्रयाएँ तैयार करें जो पारदर्शी और जवाबदेह हों। कराधान कानूनों के enforcer और कार्य-कारण के भागीदार और सु वधाकर्ता के रूप में आपको अपनी भू मका में संतुलन बनाए रखना होगा।

स वल, रक्षा, रेलवे और डाक एवं दूरसंचार लेखा सेवाओं के प्रय अ धकारियों,

शासन में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लए लेखांकन प्रमुख माध्यमों में से एक है। एक मजबूत सार्वजनिक वत्तीय प्रबंधन प्रणाली सुशासन का आधार है। भारतीय स वल, रक्षा, रेलवे और डाक और दूरसंचार लेखा सेवा के अ धकारियों की एक ऐसी मजबूत वत्तीय प्रबंधन प्रणाली तैयार करने और इसे बनाए रखने की आपकी जिम्मेदारी है जो सरकार के कामकाज को सुचारू रूप से पूरा करने में मदद करे। इस लए, सरकार में आपकी बहुत महत्वपूर्ण भू मका है और आपको पूरी प्रतिबद्धता और कौशल के साथ अपनी जिम्मेदारी निभानी है। दुनिया के हर हिस्से में, देश और संस्थान व भन्न प्रकार की integrated financial management systems वक सत कर रहे हैं और नए मानक स्था पत कर रहे हैं। आपको सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के साथ अपडेट रहना होगा और अपनी वत्तीय प्रणाली में वैश्विक प्रणा लयों की उच्चतम वशेषताओं को शा मल करना होगा।

आपका प्र शक्षण व भन्न सेवाओं के बीच एक सार्थक तालमेल को बढ़ावा देने के लए एक मंच प्रदान करता है। व भन्न सेवाओं के अ धकारियों के साथ रहने और सीखने का यह अवसर आपके करियर में आपके लए बहुत सहायक होगा।

प्रय परिवीक्षाधीन अ धकारियों,

आपकी सेवा भारत के वश्व की आ र्थक महाशक्ति के रूप में उभरने और वकास के साथ शुरू हो रही है। आपका करियर अमृत काल के दौरान देश की यात्रा के साथ आगे बढ़ेगा। भारत की G20 अध्यक्षता भी भारत के बढ़ते कद का प्रमाण है। स वल सेवकों के रूप में, आप पर देश के आ र्थक वकास के संचालक होने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

पारद र्शता और जवाबदेही के साथ-साथ स र्वस ड लवरी में अ धक दक्षता के लए लोगों की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। इन अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लए सरकारी वभागों के लए यह अनिवार्य है क वे सूचना और संचार प्रौद्यो गकी का सर्वोत्तम उपयोग करके अपनी प्रणा लयों का आधुनिकीकरण करें। इस तरह, प्रौद्यो गकी की तेजी से बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाना एक चुनौती होगी। अ धकतम जनता तक सेवाएं पहुंचाने के लए, हमें अपने ज्ञान और प्रणा लयों को अद्यतन रखना होगा। हमें यह देखना होगा क हम अपने भुगतान, लेखा और कर संग्रह प्रणा लयों को सुचारू और निर्बाध बनाने के लए प्रौद्यो गकी का कैसे सर्वोत्तम उपयोग कर सकते हैं। लेखा परीक्षा में आईटी उपकरणों का उपयोग न केवल गलत कार्यों को उजागर करने के लए बल्कि व भन्न सरकारी योजनाओं की प्र क्रयाओं और परिणामों का मूल्यांकन और निगरानी के लए कया गया है।

मुझे वश्वास है क यहां उपस्थित युवा अ धकारी न केवल अपने व्यक्तिगत करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लए हर प्रयास करेंगे, बल्कि भारत के लोगों को सरकारी सेवाओं की ड लवरी में भी योगदान देंगे। राष्ट्र अपने ऐसे मानव संसाधन के बल पर प्रगति करता है, जो अन्य भौतिक संसाधनों का सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग में लाता है। मेरा आप सभी से आग्रह है क ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।

मैं आप सभी के उज्ज्वल भ वष्य की कामना करती हूं।

धन्यवाद!

जय हिन्द!